कलरव पाठ्य पुस्तक कक्षा 2 की कहानी

टपका का डर

कॉमिक्स रूपांतरण

मिशन शिक्षण संवाद

संपादन: बृजेश गुप्ता, बस्ती

टपका का डर

संकलन:
मिशन शिक्षण संवाद

इस कॉमिक्स का निर्माण शैक्षणिक गतिविधियों के लिए किया गया है।

मिशन प्रेरणा

संपादन:
बृजेश गुप्ता

बरसात का दिन था। चारों ओर पानी बरस रहा था। दादी माँ का घर भीग रहा था। जल्दी ही छप्पर से पानी टपकने लगा।

दादी माँ परेशान हो उठी, परंतु करतीं भी क्या? छप्पर पुराना था।

"ये टपका कितना परेशान कर रहा है।"

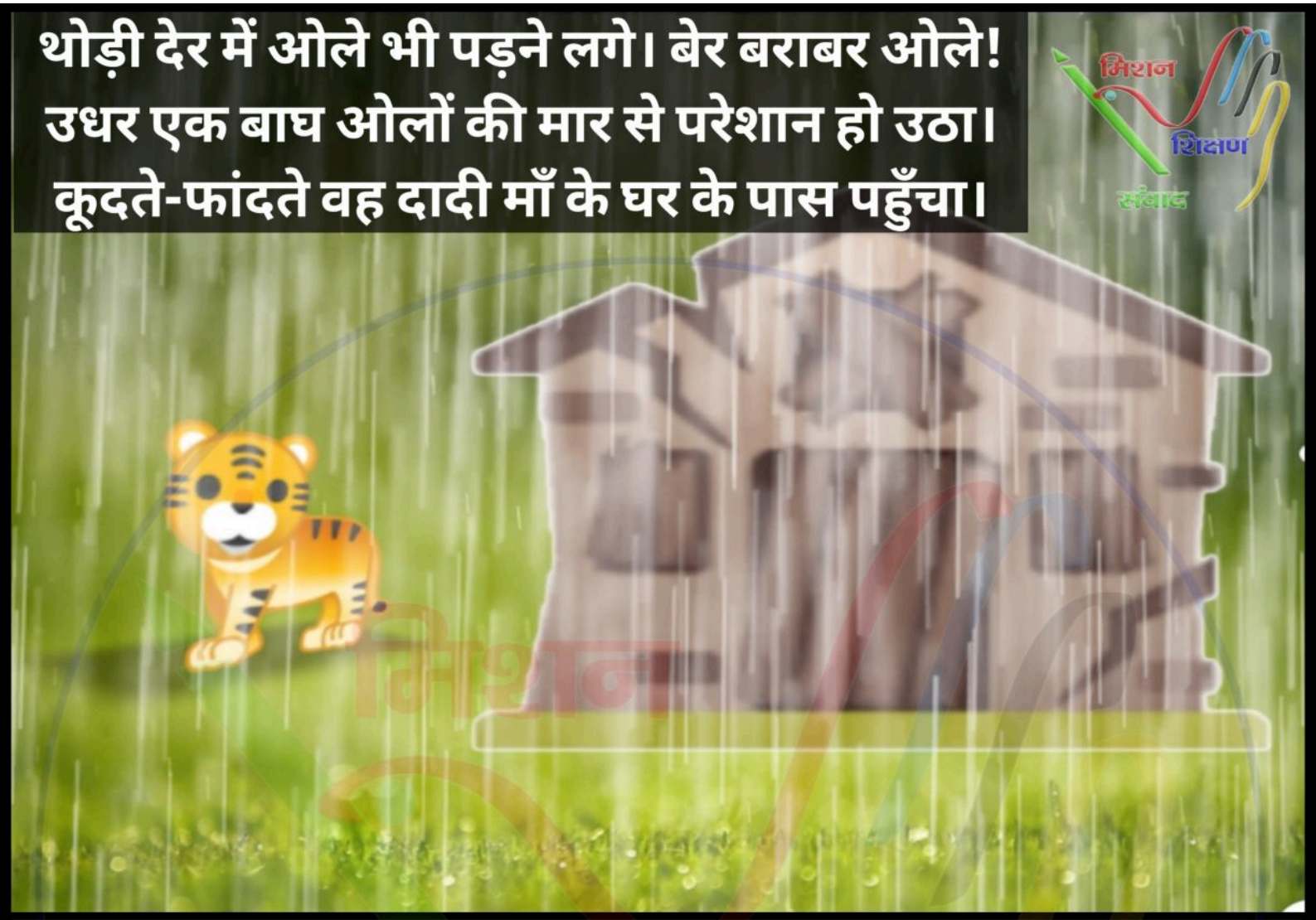
थोड़ी देर में ओले भी पड़ने लगे। बेर बराबर ओले!
उधर एक बाघ ओलों की मार से परेशान हो उठा।
कूदते-फांदते वह दादी माँ के घर के पास पहुँचा।

दादी मां अंदर भात बना रही थीं।

दादी माँ अंदर भात बना रहीं थीं।
चूल्हे पर पानी टपक रहा था,
टप-टप, टप-टप
वह झुंझला उठीं और बोली-
"मुझे टपका से जितना डर लगता है उतना तो बाघ से भी नहीं।"

बताओ:

1. दादी माँ क्यों परेशान थीं?
2. बाघ दादी माँ के घर के पास क्यों गया?
3. बाघ क्यों भाग गया?
4. छप्पर कौन कौन सी चीजों से बनता है?
5. ओले पड़ने पर तुम क्या करते हो?
6. तुम्हारे घर में चूल्हे पर क्या क्या पकाया जाता है?
7. पिताजी की माँ की दादी कहते हैं। तुम अपने पिताजी की माँ को क्या कहते हो?

बृजेश गुप्ता@मिशन शिक्षण संवाद
शिकायत या सुझाव@9458278429

Mission Shikshan Samvad